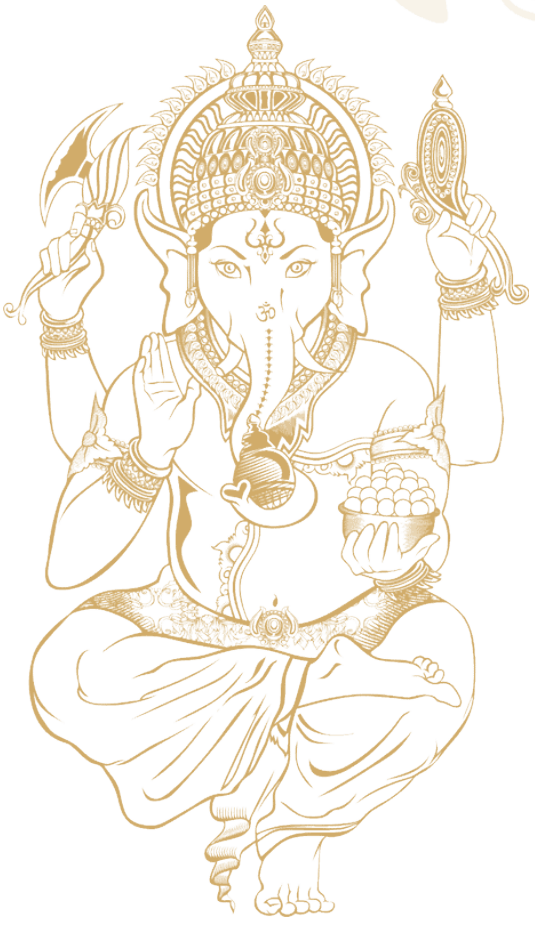

Shivam

Himanshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121407501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121407501 Date: 26/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/1996	जन्म तिथि	13/07/1999
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 16:57:00	जन्म समय	14:33:00 घंटे
घटी 28:04:38	जन्म समय(घटी)	22:32:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:08	सूर्योदय	05:31:53
19:11:05	सूर्यास्त	19:21:24
23:48:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:50

धनु	लग्न	तुला
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कुम्भ	राशि	कर्क
शनि	राशि-स्वामी	चन्द्र
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पुनर्वसु
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	4
अतिगण्ड	योग	हर्षण
बालव	करण	किंस्तुघ्न
दा-दामोदर	जन्म नामाक्षर	ही-हिना
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 4वर्ष 10मा 28दि		12:20:22	धनु	लग्न	तुला	22:52:33	गुरु 3वर्ष 5मा 0दि	
बुध		16:37:36	कर्क	सूर्य	मिथु	26:42:07	बुध	
01/07/2020		29:14:24	कुंभ	चंद्र	कर्क	00:29:06	12/12/2021	
01/07/2037		11:21:18	मिथु	मंगल	तुला	09:07:46	13/12/2038	
बुध	28/11/2022	07:28:06	सिंह	बुध व	कर्क	15:38:13	बुध	10/05/2024
केतु	25/11/2023	15:34:44	धनु व	गुरु	मेष	08:17:51	केतु	07/05/2025
शुक्र	25/09/2026	02:18:23	मिथु	शुक्र	सिंह	06:32:45	शुक्र	07/03/2028
सूर्य	01/08/2027	13:24:38	मीन व	शनि	मेष	21:24:59	सूर्य	11/01/2029
चन्द्र	31/12/2028	15:53:14	कन्या व	राहु व	कर्क	19:09:30	चन्द्र	13/06/2030
मंगल	28/12/2029	15:53:14	मीन व	केतु व	मक	19:09:30	मंगल	10/06/2031
राहु	16/07/2032	08:28:10	मक व	हर्ष व	मक	21:56:18	राहु	27/12/2033
गुरु	22/10/2034	02:09:39	मक व	नेप व	मक	09:28:40	गुरु	03/04/2036
शनि	01/07/2037	06:32:29	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:14:21	शनि	13/12/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:38 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:50

लग्न-चलित

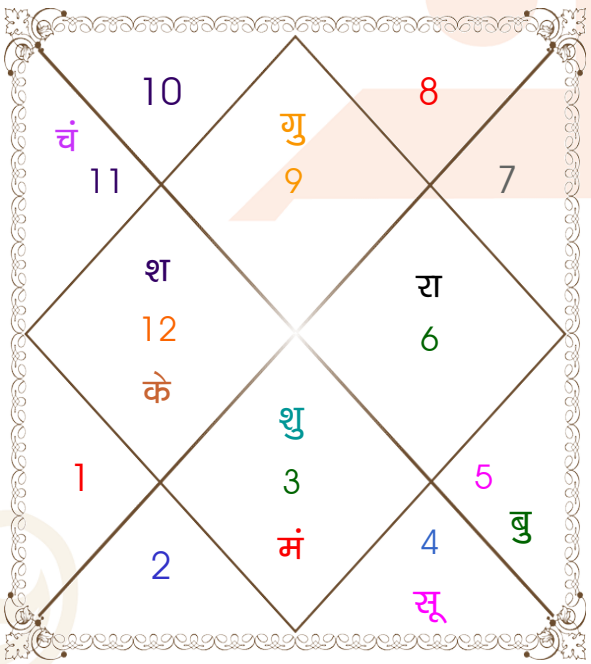

लग्न-चलित

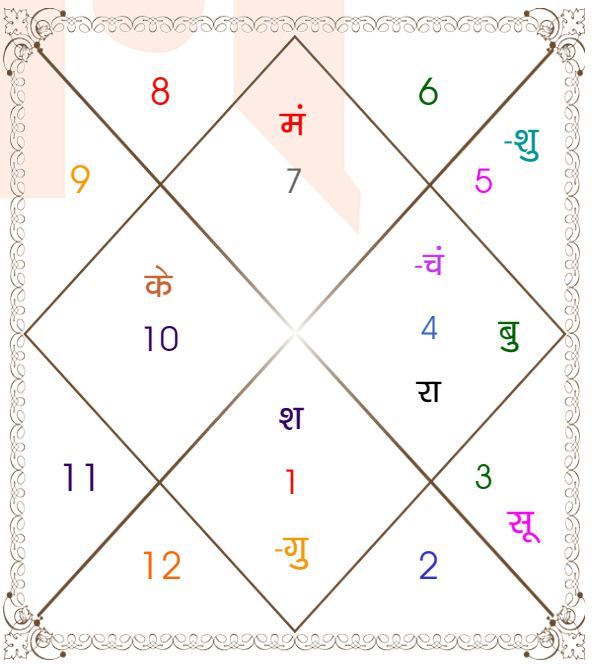

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.50		

कुल : **11.5 / 36**

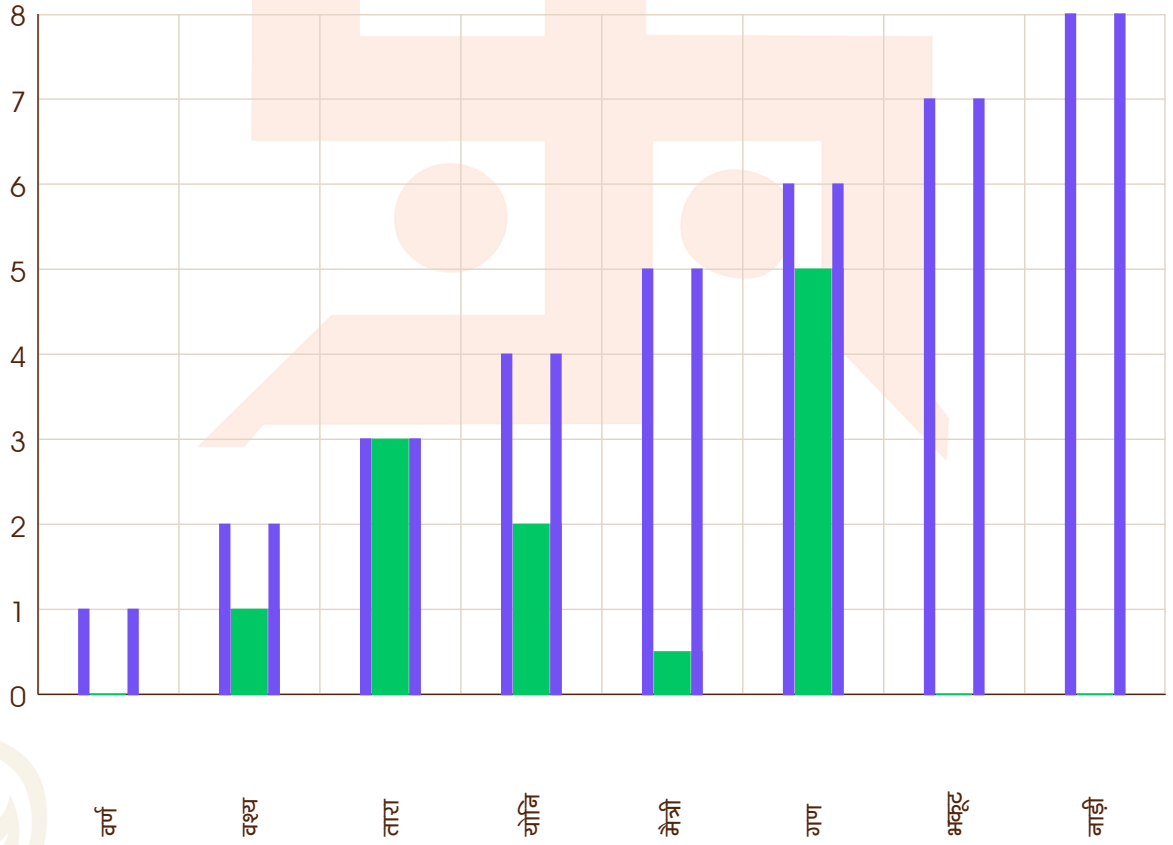

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

ौपअंउ का वर्ग सर्प है तथा भ्पउंदीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअंउ और भ्पउंदीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकिौपअंउ कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भ्पउंदीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि भ्पउंदीप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअंउ तथा भ्पउंदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौपअंउ का वर्ण शूद्र है तथा भ्पउंदीप का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि भ्पउंदीप का वर्णौपअंउ के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। भ्पउंदीप हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ हीौपअंउ के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

ौपअंउ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं भ्पउंदीप का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें ौपअंउ एवं भ्पउंदीप दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतःौपअंउ भ्पउंदीप पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकिौपअंउ हमेश भ्पउंदीप के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

ौपअंउ की तारा जन्म तथा भ्पउंदीप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ौपअंउ की योनि सिंह है तथा भ्पउंदीप की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौपअंउ का राशि स्वामी भ्पउंदींप के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि भ्पउंदींप का राशि स्वामी ौपअंउ के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ौपअंउ का गण मनुष्य तथा भ्पउंदींप का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में भ्पउंदींप सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर ौपअंउ व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण ौपअंउ अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

ौपअंउ से भ्पउंदींप की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा भ्पउंदींप से ौपअंउ की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण ौपअंउ लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। भ्पउंदींप को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की

संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

ौपअंउ की नाड़ी आद्य है तथा भ्पउंदीप की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ौपअंउ एवं भ्पउंदीप दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौपअंउ की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा भ्पउंदीप की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। वायु एवं जलतत्व में नैसर्गिक समानता तथा मित्रता होने के कारण इनके संबंधों में मधुरता रहेगी तथा स्वभावगत समानताएं भी विद्यमान होंगी फलतः वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

ौपअंउ की राशि का स्वामी शनि तथा भ्पउंदीप की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित है। अतः ऐसी ग्रह स्थिति के प्रभाव से इनके मध्य मतभेद अधिक तथा समता का भाव अल्प रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर तनाव एवं कटुता का भाव होगा।ौपअंउ और भ्पउंदीप के मध्य प्रेम तथा सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को सहयोग अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा ।

ौपअंउ और भ्पउंदीप की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा अनावश्यक मतभेद विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे संबंधों में कटुता की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे की कमियों की विशेष ध्यान रहेगा तथा आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी होगा। अतः ऐसी स्थिति मेंौपअंउ और भ्पउंदीप का दाम्पत्य जीवन अशांति पूर्ण रहेगा।

ौपअंउ का वश्य मानव तथा भ्पउंदीप का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग रहेंगी। फलतः काम संबंधों में भी एक दूसरे को सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रखने में असमर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य संबंधों में भी कटुता का भाव उत्पन्न होगा।

ौपअंउ का वर्ण शूद्र तथा भ्पउंदीप का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी विभिन्नता रहेगी।ौपअंउ की प्रवृति किसी भी कार्य को परिक्षम पूर्वक करने होगी लेकिन भ्पउंदीप धार्मिक शैक्षणिक तथा अन्य सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी।

धन

ौपअंउ और भ्पउंदीप का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति सेंौपअंउ और भ्पउंदीप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

ौपअंउ को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन

धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ौपअंउ और भ्पउंदींप दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा भ्पउंदींप भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भीौपअंउ हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेौपअंउ और भ्पउंदींप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तौपअंउ और भ्पउंदींप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में भ्पउंदींप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन भ्पउंदींप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में भ्पउंदींप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेौपअंउ और भ्पउंदींप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारौपअंउ और भ्पउंदींप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

भ्पउंदींप के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। भ्पउंदींप भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी

गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा भ्पउंदीप भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का भ्पउंदीप को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

ौपअंउ के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास कोंौपअंउ अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भीौपअंउ के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोणौपअंउ के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।